

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

हजारों महिलाओं को पाककला का हुनर सिखाया : पल्लवी चव्हारे का उल्लेखनीय कार्य

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



पाककला को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

महिलाओं के पाककला कौशल को व्यवसाय का रूप दिया जाए, तो आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए अवसर खुल सकते हैं। इसी विचार के साथ सौ. पल्लवी युवराज चव्हारे पिछले कई वर्षों से महिलाओं को पाककला का प्रशिक्षण दे रही हैं। वर्ष 2010 में शुरू किए गए 'शारदा कुकिंग क्लासेस' के माध्यम से उन्होंने हजारों महिलाओं को विभिन्न खाद्य पदार्थ बनाने का हुनर सिखाने का प्रयास किया है। अच्छी गृहिणी, कुशल रसोइया और सफल उद्यमी तैयार करना उनके कार्य का प्रमुख उद्देश्य है।

7 मई 1988 को कोल्हापुर में जन्मी पल्लवी चव्हारे का मायके का नाम पल्लवी तुकाराम भोसले है। उन्होंने राजाराम कॉलेज से अर्थशास्त्र में बी.ए. और शिवाजी विश्वविद्यालय से सूक्ष्म अर्थशास्त्र में एम.ए. की डिग्री प्राप्त की। इसके अतिरिक्त उन्होंने आईआरडीए की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। शिक्षा से प्राप्त ज्ञान और पाककला के प्रति अपनी रुचि को जोड़ते हुए उन्होंने महिलाओं के लिए प्रशिक्षण की पहल शुरू की।

55 से अधिक प्रकार के खाद्य पदार्थों का प्रशिक्षण

'शारदा कुकिंग क्लासेस' में किफायती शुल्क पर 55 से अधिक प्रकार के खाद्य पदार्थ बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें केक, पेस्ट्री, पिज्जा, मोमोज, सैंडविच, बिरयानी, बेकरी उत्पाद, कुकीज, पौष्टिक लड्डू, सलाद, सूप, दिवाली के पारंपरिक पकवान, मोदक, मिठाइयां, दुध उत्पाद, आइसक्रीम और कुल्फी जैसे विविध व्यंजन शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को कम खर्च में उपयोगी कौशल सीखने का अवसर देना और उस कौशल के आधार पर अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। घर से खाद्य पदार्थ बनाकर बिक्री करना या छोटे स्तर पर खाद्य व्यवसाय शुरू करना महिलाओं के लिए स्वरोजगार का एक संभावित माध्यम बन सकता है।

महिला कौशल विकास में भी सक्रिय योगदान

पल्लवी चव्हारे ने महिला कौशल विकास के क्षेत्र में भी योगदान दिया है। महाराष्ट्र सरकार के आत्मा (ATMA) कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने कोल्हापुर जिले में किसान महिलाओं को दुग्ध उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा, उन्होंने माणदेशी फाउंडेशन में सात वर्षों तक फूड ट्रेनर और गुणवत्ता नियंत्रण के क्षेत्र में कार्य किया। सरोजिनी फाउंडेशन फॉर वुमेन्स सहित विभिन्न संस्थाओं और फाउंडेशनों के माध्यम से भी वह महिला सशक्तीकरण से जुड़ी पहलों में सहभागी रही हैं।

उनके कार्य को 'स्वयंसिद्ध बिक्री कौशल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। पल्लवी चव्हारे की पहल यह संदेश देती है कि महिलाओं के पास मौजूद हुनर को सही प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले, तो वह रोजगार और उद्यमिता का आधार बन सकता है। पाककला को आजीविका के अवसर से जोड़कर महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रेरित करने का उनका प्रयास सराहनीय है।

संपर्क विवरण

मोबाइल: 7517812521

ई-मेल: pallavi.bhosale7@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.